<u>राज्य सभा</u>

अतारांकित प्रश्न संख्या 3814

28 मार्च, 2018 को उत्तर के लिए

इस्पात उत्पादन क्षमता

3814. श्रीमती विजिला सत्यानंतः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि भारत की वर्तमान इस्पात उत्पादन क्षमता 130 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) है;

(ख) क्या यह भी सच है कि सरकार घरेलू मांग बढ़ाने के लिए समग्र प्रयास कर रही है;

(ग) क्या यह भी सच है कि भारत में इस्पात चक्रीय नहीं है और यह कि आगामी 20-30 वर्षों में हम 90-95 प्रतिशत इस्पात का उपभोग करने जा रहे हैं; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

<u>उत्तर</u>

इस्पात राज्य मंत्री (श्री विष्णु देव साय)

(क): वर्ष 2017-18 के लिए भारत की क्रूड इस्पात क्षमता 134.66 मिलियन टन (अनंतिम) है।

(ख): इस्पात एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है और सरकार की भूमिका एक सुविधादाता के रूप में होती है। सरकार ने इस्पात क्षेत्र में घरेलू माँग को बढ़ाने के लिए विभिन्न प्रयास किए हैं जिनमें अन्य के साथ-साथ घरेलू इस्पात क्षेत्र के दीर्घकालीन विकास को प्रोत्साहित करने की दृष्टि से सरकारी खरीद में घरेलू निर्मित लोहा और इस्पात उत्पादों की नीति, जो घरेलू मूल्यवर्धन को सुविधाजनक बनाती है तथा राष्ट्रीय इस्पात नीति, 2017 को अधिसूचित करना शामिल है।

(ग) और (घ): भारत में इस्पात की खपत में सकारात्मक वृद्धि नजर आयी है और इस्पात का उत्पादन घरेलू माँग के अनुसार हुआ है। इसलिए, भारत में घरेलू इस्पात उद्योग निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर रहा है और मुख्य रूप से घरेलू माँग को पूरा करने के लिए तैयार है। राष्ट्रीय इस्पात नीति, 2017 के अंतर्गत वर्ष 2030-31 तक क्रूड इस्पात का 300 एमटी उत्पादन प्राप्त करने की प्रत्याशा की गई है और साथ-ही इसी अवधि के दौरान प्रति व्यक्ति इस्पात खपत को 160 किलोग्राम के स्तर तक बढ़ाने का प्रयास किया गया है।

****